#IndiaRanking आईआईटी भिलाई को 73वीं और एम्स को मिली 38वीं रैंक

आर्किटेक्चर में एनआईटी को मिली 36वीं रैंक, आईआईएम 3 अंक लुढ़का

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

रायपुर . राज्य के प्रीमियम इंस्टीट्यूट ने एनआईआरएफ में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की है। हालांकि आईआईटी भिलाई ने लंबी छलांग लगाई है। पिछले साल 81 रैंक पर थे, इस साल 73 तक जम्प किया। एनआईटी बात करें तो लगातार 5 वर्षों से वह पिछड़ रहा है, ये अलग बात है कि बीते तीन वर्षों से उनकी स्कोरिंग बढ़ रही है। एनआईटी को आर्किटेक्चर में 36वीं रैंक मिली है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दूर-दूर तक नहीं हैं। इस बार रविवि को स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी में 51 से 100 बैंड में जगह मिली है। बीते पांच वर्षों में आईआईएम बढ़ते क्रम पर था, इस साल 3 अंकों से फिसल गया। एम्स 38 रैंक पर है जबकि पिछले साल 39 पर था। वहीं, ट्रिपलआईटी भी रैंकिंग से बाहर है।

स्कोर बढ़ा यानी परफॉर्मेंस अच्छी रही

परफॉर्म अच्छा हुआ है इसलिए स्कोर मार्किंग सुधर रही है। 2022 में स्कोर 45.71 था जो 2023 में बढ़कर 47.69 हुआ और इस साल 48.88 हो गया। किसी इंस्टीट्यूट ने हमसे अच्छा किया होगा इसलिए तो उनके नंबर बढ़ेंगे। वैसे भी रैंकिंग तीन साल के नंबर के आधार पर तय होती है। हमारे यहां फैकल्टी रिक्रूटमेंट हुआ है जिससे रिसर्च और पब्लिकेशन में बढ़ोतरी होगी। रैंकिंग पर भी इसका असर आप देखेंगे लेकिन उसके लिए समय लगेगा, क्योंकि रिफ्लेक्शन आने में टाइम तो लगता ही है। आर्किटेक्चर में हम पहली बार रैंकिंग में आए हैं और सीधे 36वीं रैंक मिली है। इसकी वजह है आर्किटेक्चर में रिसर्च का प्रमोट होना, पब्लिकेशन अच्छा होना और साइटेशन का बढ़ना।

प्रोफेसर मनोज प्रधान, एनआईआरएफ रैंकिंग इंचार्ज एनआईटी रायपुर

रिसर्च फंडिंग और परसेप्शन ने बढ़ाई हमारी रैंकिंग

इस उपलब्धि पर हम काफी उत्साहित हैं। 81 से 73 तक की छलांग हमें और भी जिम्मेदार बनाती है। यह सब रिसर्च फंडिंग और परसेप्शन के चलते हो पाया है। हमारी ग्रेजुएशन संख्या नहीं बढ़ पाई है। हमारे यहां छात्रों की संख्या 250 है जबकि अन्य आईआईटी में यह संख्या 1200 से 1500 है। अगले दो वर्षों में हमारी कोशिश रहेगी कि 50 की रैंकिंग तक पहुंचे।

प्रोफेसर राजीव प्रकाश, डायरेक्टर आईआईटी भिलाई

1 से 51 बैंड में आने की कोशिश करेंगे

प्राइवेट यूनिवर्सिटी को फ्रीडम और फंड ज्यादा मिलता है, इसलिए रैंकिंग में फर्क आता है। वैसे हम लोग जिस डायरेक्शन में जा रहे हैं, उससे आने वाले दो-तीन सालों में स्थिति काफी कंट्रोल में आ जाएगी। हमारा काम कर्म पथ पर चलना है और हम बेहतर करने की कोशिश में लगे रहेंगे। इस बार 51-100 बैंड में हैं, आगे 1 से 51 बैंड में आने की कोशिश करेंगे।

प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति रविवि

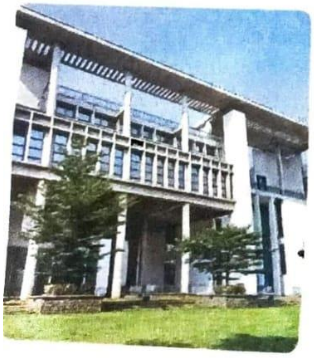

अगले साल टॉप- 10 के लिए करेंगे मेहनत

हमें इस बात की खुशी है कि आईआईएम 14वें स्थान पर रहा। हमें कुछ चीजों में सुधार करना है जैसे कि स्टूडेंट स्ट्रेंथ, फाइनेंशियल रिसोर्स यूटिलाइजेशन, रिसर्च, पब्लिकेशन। 2026 तक हम टॉप टेन में आने के लिए मेहनत करेंगे।

प्रो. रामकुमार काकानी, डायरेक्टर आईआईएम, नवा रायपुर

रैंकिंग एक नजर में

वर्ष	एनआईटी	आईआईएम
2024	71	14
2023	70	11
2022	65	14
2021	64	15
2020	67	19
2019	74	19

Patrika, 13th Aug 2024, P.01 (My City).JPG